काँवर झील

चर्चा में क्यों?

कभी **प्रवासी पक्षियों** का आश्रय स्थल रही एशिया की सबसे बड़ी **अलवण जल की गोखुर झील और बिहार की एकमात्र** **रामसर स्थल** काँवर धीरे-धीरे लुप्त हो रही है।

मुख्य बिंदु:

- **गोखुर झील (Oxbow Lake)** एक **वक्राकार झील** है जो समय के साथ क्षरण और अवसादों के निक्षेपण के परिणामस्वरूप **विसर्पी नदी के किनारे बनती है।**
  - गोखुर झीलें सामान्यतः **अर्द्धचंद्राकार** होती हैं जो नदियों के पास बाढ़ के मैदानों एवं निचले इलाकों में पाई जाने वाली भू-स्थलाकृतियाँ हैं।
- कभी लोकप्रिय पर्यटन स्थल रही काँवर झील **अतिक्रमण का शिकार हो गई है** और जिसका अस्तित्त्व संकट में है।
  - भूमि के अनियंत्रित विस्तार और निकटवर्ती **बूढ़ी** **गंडक नदी** के किनारे तटबंधों के निर्माण ने **आर्द्रभूमि** **में मुख्य जल प्रवेश बिंदु को अवरुद्ध कर दिया है।**
- एक साझा धारणा है कि **झील के पुनर्भरण करने की सरकारी पहल** के साथ, इसमें अपनी पिछली भव्यता को पुनः प्राप्त करने और एक महत्त्वपूर्ण पर्यटन स्थल में बदलने की क्षमता है, जो **स्थानीय निवासियों के लिये नए रोज़गार की संभावनाएँ** प्रदान करता है।

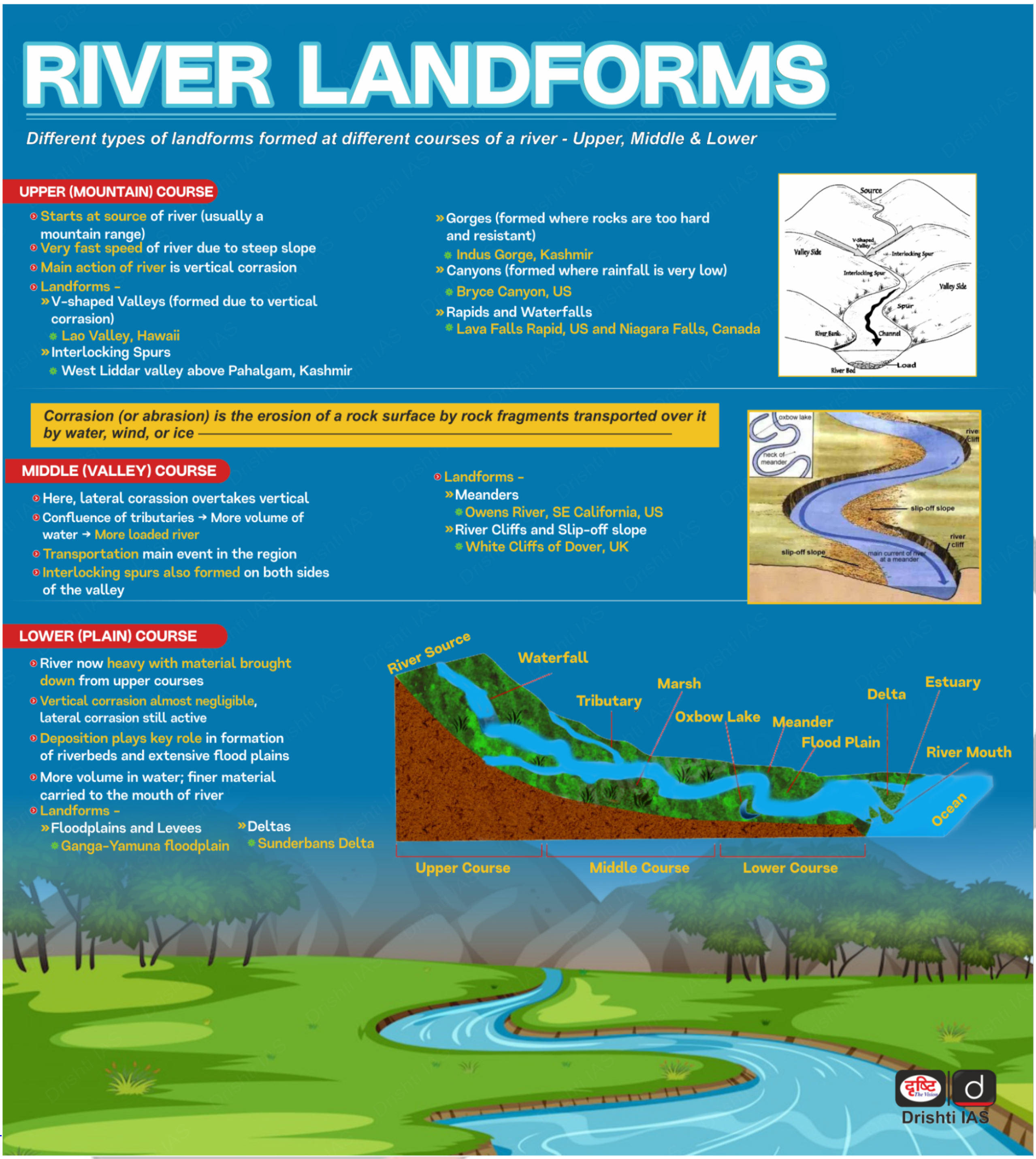

//

काँवर झील

- इसे **काबरताल झील (Kabartal jheel)** के नाम से भी जाना जाता है।
- यह एक अवशिष्ट गोखुर झील है, जो गंगा की सहायक नदी **गंडक नदी के विसर्प के कारण बनी है।**
- यह उत्तरी बिहार के अधिकांश **सिंधु-गंगा के मैदानी क्षेत्रों** को कवर करती है।
- यह आर्द्रभूमि **मध्य एशियाई फ्लाईवे** (पक्षियों का महत्त्वपूर्ण प्रवास मार्ग व स्थल) है, जहाँ 58 प्रवासी जलपक्षी प्रवास करते हैं और अपना पोषण प्राप्त करते हैं।
- 50 से अधिक प्रजातियों के दस्तावेज़ीकरण के साथ यह झील मत्स्य जैवविविधता हेतु भी एक बहुमूल्य स्थल है।
- **गंभीर रूप से संकटग्रस्त पाँच प्रजातियाँ** इस स्थल पर निवास करती हैं, जिनमें **गिद्ध की तीन प्रजातियाँ** शामिल हैं- **रेड-हेडेड वल्चर (*Sarcogyps calvus*), वाइट-रम्प्ड वल्चर (*Gyps bengalensis*)** व **इंडियन वल्चर (*Gyps indicus*)** और **दो जलपक्षी प्रजातियाँ– सोशिएबल लैपविंग (*Vanellus gregarius*)** व **बेयर पोचार्ड (*Aythya baeri*)।**
- **संकट:** साइट पर प्रमुख संकटों का कारण जल प्रबंधन गतिविधियाँ जैसे: जल निकासी, जल पृथक्करण, बाँध-निर्माण और नहरीकरण शामिल हैं।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/kanwar-lake